



भारत का गजेट The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

२६/२

सं. 3]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, फरवरी 26, 1987/फाल्गुन 7, 1908

No. 3)

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 26, 1987/PHALGUNA 7, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

प्रधिकारी

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1997

का. नि. प्रा. 6(अ) :—केंद्रीय सरकार, तटरक्षक प्रधिनियम, 1978 (1978 का 30) की धारा 123 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (घ) और (ग) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, भिन्न लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

भाग 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तटरक्षक (ज्येष्ठा और प्रोन्ति) नियम, 1986 है।

(2) ये गजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में, जब तक कि संवर्ग से अन्यथा घोषित न हो, -

(क) "प्रधिनियम" से तटरक्षक प्रधिनियम, 1978 (1978 का 30) प्रभिषेत है;

(ख) "वृद्धिक" से नाविक व्यूरो का भारताधिक प्रधिकारी प्रभिषेत है।

(ग) "तटरक्षक क्षेत्र" से निम्नलिखित प्रभिषेत है,—

(i) तटरक्षक क्षेत्र पश्चिम जिसके अंतर्गत गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल राज्य और गोवा, वर्मण और दीव तथा लक्ष्मीप संघ राज्यक्षेत्र के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ नटीय क्षेत्र और भारत का सामुद्रिक क्षेत्र है;

(ii) तटरक्षक क्षेत्र, पूर्व, जिसके अंतर्गत भारत प्रदेश, उड़ीसा, तमिल-नाडु, पश्चिमी बंगाल राज्य और पांडिचेरी संघ राज्यक्षेत्र के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ नटीय क्षेत्र और भारत का सामुद्रिक क्षेत्र है; और

(iii) अद्भुत और निकोबार द्वीप तटरक्षक क्षेत्र जिसके अंतर्गत अद्भुत और निकोबार द्वीप संघ राज्यक्षेत्र के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ भारत का सामुद्रिक क्षेत्र है:-

(घ) सरकार से केंद्रीय गवर्नर प्रभिषेत है।

(इ) उन सभी शब्दों और पर्वों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किसी परिभाषित नहीं हैं किसी प्रधिनियम में परिभाषित है, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उनके प्रधिनियम में हैं।

भाग 2

ज्येष्ठा और प्रोन्ति नियम-प्रधिकारी

3. आधारिक तारीख :—तटरक्षक सेवा में पद ग्रहण करने पर सभी प्रधिकारियों की आधारिक तारीख आवंटित की जाएगी। यह तारीख वह

तारीख होगी जिसको किसी अधिकारी को तटरक्षक पौत्र/प्राधिकरण को रिपोर्ट करने के लिए बुलाया जाता है, या वह तारीख होगी जिसको वह बलुः रिपोर्ट करता है या प्रशिक्षण के आरम्भ की तारीख होगी इनमें से जो भी पञ्चात्तरी हो। आधारिक तारीख तटरक्षक में उसकी सेवा के अवधारण के लिए उपयोग की जाएगी।

4. अधिकारियों की ज्येष्ठता :—(क) उच्चतर रैक धारण करने वाले सभी अधिकारी निम्नतर रैक धारण करने वाले अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे।

(ख) किसी विशिष्ट रैक में,—

- (i) किसी शाखा के किसी विशिष्ट रैक में श्रोन्ति अधिकारियों की परम्परा अधेष्ठता गुणागृह नम्र के अनुसार, जो विभागीय श्रोन्ति समिति द्वारा तैयार किया जाएगा, अवधारित की जाएगी। किन्तु किसी विशिष्ट रैक में अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस रैक में अधिकारियों श्रोन्ति की तारीख के अनुसार अवधारित की जाएगी। यदि वह भी एक ही पाई जाती है तो आधारिक तारीख और अन्तस्त अन्य की तारीख विनियोजक भागार होगी, और आप में जो बड़ा होगा उसे ज्येष्ठ माना जाएगा।
- (ii) अधिकारी रैक धारण करने वाले अधिकारी कार्यकारी रैक धारण करने वाले अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे। इसी प्रकार, कार्यकारी रैक धारण करने वाले अधिकारी, स्थानापन रैक धारण करने वाले अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे।
- (iii) कार्यकारी या स्थानापन हैसियत में किसी रैक में नियमित अधिकारियों की ज्येष्ठता, अधिकारी रैक में ज्येष्ठता के अनुसार अवधारित की जाएगी।

5. स्थायी रूप से आमेलित अधिकारियों, तुनः नियोजित अधिकारियों और सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों की ज्येष्ठता—

- (1) (क) उप महानिरीक्षक के रैक में स्थायी रूप से आमेलित अधिकारियों की ज्येष्ठता भारतीय नीसेना में अधिकारी कैफ्टन के रैक के प्रदान किए जाने की तारीख से या तटरक्षक में उप महानिरीक्षक के रैक के प्रदान किए जाने की तारीख से इनमें से जो भी पूर्वतर हो, अवधारित की जाएगी।
- (ख) कमांडर के रैक में स्थायी रूप से आमेलित अधिकारियों की ज्येष्ठता, उस तारीख से, जो अधिकारी कमांडर के रैक में पूरी सेवा और भारतीय नीसेना में सेफ्टीनेंट कमांडर के रैक में सेवा के 50% को, जो अधिकारात्म 4 वर्ष तक होगी, श्रीमान में रैक के पश्चात् आए, या तटरक्षक में कमांडर का रैक प्रदान किए जाने की तारीख से इनमें से जो भी पूर्वतर हो, अवधारित की जाएगी, कमांडेंट के रैक में आमेलित लेप्टिनेंट कमांडरों की ज्येष्ठता कमांडेंट का रैक प्रदान करने की तारीख से, पूर्वतरी तारीख के रूप में, भारतीय नीसेना में लेप्टिनेंट कमांडर के रैक में उसकी सेवा के 50% तक जो अधिकारात्म 4 वर्ष तक होगी, अवधारित की जाएगी।
- (ग) उप कमांडेंट के रैक में स्थायी रूप से आमेलित अधिकारियों की ज्येष्ठता भारतीय नीसेना में पांच दर्ष की कमीशन सेवा पूरी होने की तारीख से अवधारित की जाएगी।
- (घ) सहायक कमांडेंट के रैक में स्थायी रूप से आमेलित अधिकारियों की ज्येष्ठता भारतीय नीसेना में कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अवधारित की जाएगी।

(2) पुनर्नियोजित अधिकारियों की ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप अवधारित की जाएगी, अर्थात् :—

- (क) उप महानिरेशक भारतीय नीसेना में कैफ्टन के अधिकारी रैक में श्रोन्ति की तारीख।
- (ख) कमांडेंट भारतीय नीसेना में कैफ्टन के अधिकारी रैक में श्रोन्ति की तारीख।
- (ग) उप कमांडेंट भारतीय नीसेना में 5 वर्ष की कमीशन सेवा के पूरा होने की तारीख।
- (घ) सहायक कमांडेंट भारतीय नीसेना में कमीशन प्राप्त करने की तारीख।

टिप्पण : भारतीय नीसेना से सेवानिवृत्ति की तारीख और तटरक्षक में पुनर्नियोजित की तारीख के बीच मन्त्रालय होने की दशा में, इस अधिकारी की अधिकारी रैक में ज्येष्ठता की गणना करने के प्रयोजन के लिए, काट लिया जाएगा।

(3) सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों और अधिकारी रैक में श्रोन्ति अन्यावेशक कार्यकारी की ज्येष्ठता यथास्थिति, आरंभिक प्रशिक्षण के दौरान या महानिरेशक द्वारा यथाविहित विभागीय परीक्षा में अभिग्राह्य प्रंगों के आधार पर अवधारित की जाएगी।

6. श्रोन्ति के लिए प्राधिकारी :—सभी अधिकारियों की श्रोन्ति के लिए प्राधिकारी केन्द्रीय सरकार होगी और विभागीय श्रोन्ति समिति का गठन भर्ती नियमों में जैसा उपबन्धित है उसके अनुसार किया जाएगा।

7. श्रोन्ति नियम :—(क) अधिकारी श्रोन्ति उप शाखाओं में, जिनके बे हैं, होने वाली रिक्तियों के विशेष श्रोन्ति के लिए पाल होंगे।

(ख) उप कमांडेंट के रैक में अधिकारियों की श्रोन्ति, उपयुक्तता के अधीन रहते हुए, उसकी ज्येष्ठता के आधार पर की जाएगी।

(ग) कमांडेंट और उससे ऊपर के रैक में अधिकारियों की श्रोन्ति उपयुक्तता का सम्पूर्ण रूपते हुए, गुणागृह के आधार पर की जाएगी।

(घ) कमांडेंट और उससे ऊपर के रैक में अधिकारियों की श्रोन्ति कार्यकारी आधार पर होगी। वे, उच्चतर रैक में एक वर्ष की अवधि के लिए समाधानप्रद रूप में सेवा करने पर, उसकी श्रोन्ति की तारीख से पुष्ट किए जाएंगे। सेवा का निर्वाचन अधिकारियों को वी गई वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार किया जाएगा।

8. स्थानापन प्रोन्ति :—कहानिवेशक, सरकार के पूर्व अनुमोदन से किसी अधिकारी को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, स्थानापन उच्चतर रैक प्रदान कर सकेगा :—

(क) जहां छट्टी, प्रतिनियुक्ति, प्रशिक्षण आदि के कारण कोई अल्प-कालिक रिक्ति सूष्ट की जाती है और विभागीय श्रोन्ति समिति द्वारा श्रोन्ति के लिए अनुमोदित कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं है।

(ख) स्थानापन प्रोन्ति के बावजूद उप महानिरेशक के रैक तक ही होगी।

(ग) इस नियम के अधीन स्थानापन रैक के लिए, आरंभिक रूप में संदाय मही किया जाएगा और उसके द्वारा जाने की तारीख से उच्चतर रैक वाली नियुक्ति में इधूटी के निरन्तर इकीस दिन के पश्चात् संदाय किया जाएगा।

(घ) कोई अधिकारी, जिसे स्थानापन रैक प्रदान किया गया है, उस रैक में कोई ज्येष्ठता का दावा करने का हक्कार नहीं होगा।

(ङ) कोई अधिकारी, जिसे स्थानापन रैक प्रदान किया गया है, उस रैक पर नहीं रह जाएगा, जब वह उस नियुक्ति पर नहीं रह जाता है जिसके लिए उस रैक प्रदान किया गया था।

(क) केवल ऐसे अधिकारी, जिन्होंने अगले रैंक के लिए अपेक्षित निम्नतम सेवा पूरी कर ली है, इस प्रोन्टिंग के लिए पात्र होंगे।

(छ) प्रोन्टिंग, सामान्यतः उमी पोत/प्यापम स्टेशन के अधिकारियों में से की जाएगी।

9. स्थानीय रैंक : महानिवेशक, जब भी सेवा के बेहतर काम काज के द्वारा आवश्यक समझा जाए तभी निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, स्टटरक के किसी भी अधिकारी को कोई स्थानीय उच्चतर रैंक प्रदान कर सकेगा :-

(क) अधिकारी, समादेशन का प्रयोग करेगा और उसमें रैंक धारण करने वाले अधिकारी की शक्तियाँ निहित होंगी।

(छ) अधिकारी ऐसा रैंक धारण करने के लिए कोई अतिरिक्त बेतन और भर्तों के लिए हकदार नहीं होगा।

(ग) अधिकारी ऐसा रैंक धारण करने के आधार पर तटरक्षक के जन्द अधिकारियों पर किसी भ्योडता का दावा करने का हकदार नहीं होगा।

(घ) वह अधिकारी, जिसे स्थानीय रैंक प्रदान किया गया है, उस रैंक पर नहीं रह जाएगा जब वह उन नियुक्ति पर नहीं रह जाता है, जिसके लिए उसे रैंक प्रदान किया गया था।

10. प्रोन्टिंग के लिए अहंताएँ : संबद्ध रैंकों के लिए, तटरक्षक की विभिन्न साक्षात्तों में, प्रोन्टिंग के लिए अहंताएँ उपावन्ध 1, 2 और 3 में दी गई हैं। इन अहंताओं से संबंधित साधारण नियम निम्नलिखित हैं:-

(1) सेवा : उस समय को छोड़कर, जिसके लिए बेतन अनुशासन नहीं है, जैसे कि अभियजन के द्वारा समय की हानि, असिह-अन के लिए विचारण के लिए प्रतीक्षा, असाधारण छुट्टी या वह समय जिसके द्वारा कोई भी अधिकारी कारण से सेवा से बाहर रहा है, उस रैंक में तटरक्षक में की गई संपूर्ण सेवा को अंकुर सेवा के रूप में संगणित किया जाएगा।

(2) रक्षा सेवाओं के अधिकारियों की प्रोन्टिंग के लिए पूर्ववर्ती सेवा की गणना :- (क) स्थायी रूप से अमेलित : (i) उन सहायक कमान्डेंटों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, उनकी संपूर्ण कर्तीशक्ति सेवा की कमान्डेंट के रैंक में प्रोन्टिंग के लिए गणना की जाएगी।

(ii) उन उप कमान्डेंटों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, उनकी संपूर्ण कर्तीशक्ति सेवा की कमान्डेंट के रैंक में प्रोन्टिंग के लिए गणना की जाएगी।

(iii) उन कमान्डेंटों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, कमांडर के रैंक में पूर्ववर्ती सेवा, यदि कोई हो, पूरी सेवा की ओर लैटीनेट कमांडर के रैंक में पूर्ववर्ती सेवा के 50%, जो अधिक से अधिक 4 वर्ष तक होंगी उप-महानिरीक्षक के रैंक में प्रोन्टिंग के लिए गणना में भी जाएगी।

(iv) उन उप महानिरीक्षकों की दशा में, जो भूतपूर्व नौसेना अधिकारी हैं, चारतीय नौसेना में फैटन के रैंक में पूर्ववर्ती सेवा, महानिरीक्षक के रैंक में प्रोन्टिंग के लिए गणना में भी जाएगी।

(ख) उन्नियोजित : पुनर्नियोजित अधिकारियों की दशा में, पुनर्नियोजित की सारीक से उनकी सेवा प्रांतिंग के लिए गणना में ली जाएगी।

टिप्पणी : अधिकारी विकास पर दी गई या सिविल अधिकारियों के कारण पदवर्णन करने में जाकित की जगमर्यादा के कारण या अध्ययन करने

के प्रयोजन के लिए जो लोकहित में प्रयाणित किया गया है, असाधारण छुट्टि अहंत के रूप में गणना में भी जाएगी।

(3) समृद्ध सेवा : समृद्ध सेवा में, सुलगत उपावन्ध में विनिविष्ट अवधि के लिए स्थायी छम्टी पर, जिसी तटरक्षक पौत पर की गई इयूटी सम्मिलित होंगी। प्रशासनिक सुविधा के लिए यह समृद्ध सेवा निरतंर सेवा नहीं हो सकती और अब तक नंपूर्ण अवधि, नियन्त्रण असूर्याधित समृद्ध सेवा गठित नहीं करती है जब तक यह लगभग जाएगा कि उसने अत्यवश्यक अपेक्षा को पूरा कर लिया है।

(4) तैराकी : तैराकी पर धन पास करना, बुनियादी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में अहंता के लिए एक अत्यावश्यक शर्त होती है। वे अधिकारी जो इस पाठ्यक्रम के पूरा होने वाले तैराको परोक्षण में अवृत्त नहीं होंगे, सेवोन्मुक्त किए जा सकते हैं।

(5) प्रशिक्षण और अगका आविष्टी पर कारंवाई :

सेवा में प्रवेश करने पर, मंत्रित याचार्यों के अधिकारी समय समय पर मन्त्रालयिक द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न बुनियादी प्रशिक्षण, लकनीकी पाठ्यक्रम और विषेशक्षका सफलतापूर्वक दरेंगे। असफलता के परिणाम निम्नलिखित होंगे:-

(i) बुनियादी परीक्षण .

परीक्षा में असफलता के यामले में महानिवेशक को विज्ञाराधी निश्चिष्ट, जिसे आंगने। जो परीक्षा में असफल होते हैं। महानिवेशक के विवेक-नुपार उन विषय या उन विषयों में, जिसमें वे असफल रहे हैं और पुनः परीक्षा, ही गई है, उन्हें और प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन अधिकारियों में से ऐसे अधिकारी, जो महानिवेशक की राय में, और प्रशिक्षण से लाभान्वित नहीं होते, अनुपयुक्त के रूप में जेवोन्मुक्त किए जा सकते हैं। जो परीक्षा में इसरे प्रयास में असफल होते हैं, अनुपयुक्त के रूप में सेवोन्मुक्त किए जा सकते हैं।

(ii) तैराकी पाठ्यक्रम : जिसी एक पाठ्यक्रम में अधिक से अधिक दोषियोंमें असफल रहने वाले अधिकारियों की, किन्तु जो उस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण अंक प्राप्त करते हैं, और प्रशिक्षण दिया जाएगा और उस विषय या उन विषयों में, जिनमें वे असफल रहे हैं, पुनः परीक्षा ली जाएगी।

पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण अंक प्राप्त करने में असफल रहने वाले या दो में अधिक विषयों में असफल रहने वाले अधिकारियों से, पुनः संपूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने की अपेक्षा की जाएगी।

तैराकी पाठ्यक्रमों में असफल रहने वाले अधिकारियों की परिवीक्षा का हठाना, नीचे दी गई अवधि की समा तक विलम्बित किया जाएगा :-

(क) चार सप्ताह की अवधि दो मास में अधिक का पाठ्यक्रम

(ख) चार सप्ताह या उससे एक मास कम अवधि के पाठ्यक्रम

पुनः परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अधिकारियों को “उत्तीर्ण” वर्ग विश्वा आएगा और पाठ्यक्रम के लिए अनुन्तम उत्तीर्ण अंक लिए जाएंगे।

ये, जो अपने इसरे प्रयास में परीक्षा में असफल होते हैं, अनुपयुक्त के रूप में सेवोन्मुक्त किए जा सकते हैं।

(iii) जहाजरानी बोर्ड (केवल सामान्य कर्तव्य अधिकारियों के लिए) :— ऐसे सहायक कमान्डेंटों (सामान्य कर्तव्य) से जो जहाजरानी बोर्ड में अवृत्त होने में असफल रहते हैं परचातवर्ती पाठ्यक्रम के साथ प्रशिक्षण की इस अवधि को दोहराने की अपेक्षा की जाएगी। उन्हें उह मास तक परिवीक्षा से हठाने में भी विलम्ब किया जाएगा। जो दूसरे प्रयास में भी असफल रहते हैं उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवोन्मुक्त किया जा सकता है।

(iv) विशेषज्ञता पाद्यक्रम (केवल विशुत/इंजीनियरी विशेषज्ञता वाले तकनीकी अधिकारियों के लिए) :— ऐसे विचुत/इंजीनियरी विशेषज्ञता नहीं वाले तकनीकी अधिकारियों को, जो विशेषज्ञता पाद्यक्रम या पाद्यक्रमों की अन्तिम परीक्षा में असफल रहते हैं उन्हें किसी अधिक के लिए प्रवर्तिति में रखा जाएगा, जिसकी समाप्ति पर उनकी पुनः परीक्षा ली जाएगी। ऐसे अधिकारियों को छह मास तक उनकी परिवीक्षा हटाने से भी विलम्बित किया जाएगा। इन विशेषज्ञता पाद्यक्रमों की परीक्षा में दोबारा असफल रहते वाले अधिकारी को अनुपयुक्त के रूप में सेवान्वयन किया जा सकता है।

(v) पहरेदारी प्रमाणपत्र (केवल सामान्य कर्तव्य अधिकारियों के लिए) :—

ऐसे सहायक कमांडेंट (सामान्य कर्तव्य) जो अपने आर्मीमध्यक्ष प्रशिक्षण के पूरा होने पर पहरेदारी प्रमाणपत्र प्राप्त करने में असफल रहते हैं, उनसे कमान आफिसर/आफिसर बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई अधिक के लिए प्रशिक्षण की इस ध्यास्था को आरो रखने की अपेक्षा की जाएगी और उनकी पुनः परीक्षा ली जाएगी। किन्तु ऐसी अधिक छह मास से अधिक नहीं होगी। उन्हें परिवीक्षा से हटाना तदनुसार विलम्बित किया जाएगा। जो पुनः परीक्षा में अहित होने में असफल रहते हैं उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवान्वयन किया जा सकता है।

(vi) बायुयान कर्मचारी परिवर्तन (केवल सामान्य कर्तव्य विमान चालक/नौसंचालक) :— ऐसे सहायक (कमांडेंट (सामान्य कर्तव्य)) विमान चालक/नौसंचालक वाले, जो वर्ष में बायुयान कर्मचारी परिवर्तन पूरा करने में असफल रहते हैं, उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवान्वयन किया जा सकता है।

(vii) इंजन कक्ष पहरेदारी प्रमाणपत्र/विशुत विशेषज्ञता का सक्षमता प्रमाणपत्र: (सहायक कमांडेंट तकनीकी इंजीनियरी (विशुत) का विषय जाना :— ऐसे सहायक कमांडेंट (तकनीकी) से, जो अपने हैरने के प्रशिक्षण के द्वारान इंजन कक्ष पहरेदारी—प्रमाणपत्र/विशुत विशेषज्ञता की सक्षमता के प्रमाणपत्र प्राप्त करने में असफल रहते हैं, उनसे कमान अफसर/सफसर बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई अधिक के लिए प्रशिक्षण की इस अधिक को आरो रखने की अपेक्षा की जाएगी। किन्तु ऐसी अधिक छह मास से अधिक नहीं होगी। उन्हें परिवीक्षा से हटाया जाना तदनुसार विलम्बित किया जाएगा। जो पुनः परीक्षा में अहित होने में असफल रहते हैं उन्हें अनुपयुक्त के रूप में सेवान्वयन किया जा सकता है।

11. प्रशिक्षण सामग्री का प्रतिदाय:

यदि तटरक्क को किसी भी शाखा से कोई अधिकारी प्रशिक्षण के लिए भ्रष्ट करने के लिए अनुरोध करता है या परिवीक्षीय अधिक के द्वारान स्थानगत देता है या प्रोर ऐसा अनुरोध या त्वाग पत्र सरकार द्वारा स्वीकार किया जाता है, तो उससे पूर्णतः या भागतः प्रशिक्षण को लागत, जो सरकार द्वारा अवश्यकता की जाएगी, और वेतन तथा भत्तों के रूप में सरकार से प्राप्त सर्वाधिक, उक्त रकम पर व्याज सहित, जो सरकारी अधिकारी के लिए प्रवृत्त दर पर संगणित किया जाएगा, प्रतिवाय करने की अपेक्षा की जाएगी।

12. परिवीक्षा :—

(क) सेवा में प्रवेश करने पर सीधे भर्ती किए गए अधिकारी सुरक्षित भर्ती नियमों में विनिविष्ट प्रवधि के लिए या ऐसे समय तक तब अधिकारी अपना वृत्तिक प्रशिक्षण पूरा करता है, तेराकी परीक्षण उत्तीर्ण करता है, सामान्य कर्तव्य शाखा में पहरेदारी-प्रमाणपत्र/तकनीकी शाखा के कमश: इंजीनियरी और विशुत विशेषज्ञताओं में विशुत विशेषज्ञता के लिए गए सक्षमता प्रमाणपत्र या ऐसे अन्य पाद्यक्रम के लिए, जो महानिदेशक द्वारा विहित किए जाएं, इन में से जो भी बायक का हो, अहित हो जाता है, परिवीक्षा पर रहेगा।

(ख) परिवीक्षा प्रवधि को, केन्द्रीय सरकार के अनुभोदन से, एक वर्ष तक सुरक्षित भर्ती नियमों में विनिविष्ट प्रवधि से परे, बढ़ाया जा सकता है।

(ग) जब तक किसी परिवीक्षीय को परिवीक्षा के समाधानप्रद रूप में पूरा करने के लिए विनिविष्ट आवेदन आरो नहीं किए जाते हैं, तब तक ऐसे परिवीक्षीय के बारे में माना जाएगा कि वह परिवीक्षा पर बना है।

13. प्रोन्तिसि से इकार करना :—

सामान्यतः किसी भी अधिकारी को प्रोन्तिसि में इकार करने की अनुशा नहीं दी जाएगी। किन्तु, ऐसा इकार विनेश परिस्थितियों के अधीन सरकार के अनुभोदन से अनुज्ञात किया जा सकेगा। यदि वाद में, अधिकारी प्रोन्तिसि किए जाने की वांछा करता है तो उससे, अपने कमान अफसर और अपने प्रशासनिक प्रधिकारी के माध्यम से इस बारे में महानिदेशक को आवेदन प्रस्तुत करने के अपेक्षा की जाएगी और उस माले पर प्रोन्ति विकल्पों के अपने वैब के नामनाम्य विभागीय प्रोन्तिसि समिति द्वारा उसके गुणाग्रण के आधार पर विचार किया जाएगा। ऐसा आवेदन, इकार की तारीख के एक वर्ष के पश्चात् ही प्रस्तुत किया जा सकता है।

14. स्वस्थता :—

अधिकारी का, प्रोन्तिसि की तारीख को, स्वास्थ्य प्रवर्ग एम-1-ए-1, एम-2-ए-1 या एम-2-ए-2 में होना आवश्यक है। ऐसे अधिकारियों के मामले, जो अस्थायी या स्थायी रूप से स्वास्थ्य प्रवर्ग एम-3-ए-1, एम-3-ए-2 और एम-3-ए-3 में रखे गए हैं, प्रवासिति प्रधिकारी के माध्यम से महानिदेशक को भवे जाएंगे और प्रत्येक मामलों पर गुणाग्रण के आधार पर विचार किया जाएगा। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाहियों के साथ ऐसी सभी सिफारियों होनी आहिए जिसमें उप तारीख का भी होना आवश्यक है, जिसको विभागीय प्रोन्तिसि समिति ने प्रोन्तिसि के लिए व्यक्त का अनुभोदन किया है।

15. निम्नतर स्वास्थ्य प्रवर्ग प्रधिकारी :—

ऐसे अधिकारियों पर जो स्वास्थ्य प्रवर्ग एम-3-ए-4 में रखे गए हैं, नियम 14 में अधिकारियों प्रधिकारी के अनुसार विचार किया जाएगा, जो उस पुनर्वित स्वास्थ्य प्रवर्ग पर निर्भर करेगी, जिसमें वे अस्पताल से छुट्टी होने पर रखे गए हैं।

16. गलत प्रोन्तिसि :—

यदि यह पाया जाता है कि कोई अधिकारी गलती से प्रोन्तिसि किया गया (उदाहरणार्थ, जब उसे प्रोन्ति किया जब वह पूर्णतः प्रोन्तिसि के लिए अहित नहीं था) तो प्रोन्तिसि को रद्द किया जा सकेगा। गलत प्रोन्तिसि की अवधि के लिए किए गए अधिक सवायों को घस्तूल किया जाएगा।

भाग 3

प्रोन्तिसि नियम-स्थानावेशित व्यक्ति :—

17. आधारिक तारीख :— तटरक्क सेवा में सेवा आरंभ करने पर सभी कार्यक्रमों को आधारिक तारीख प्रारंभित की जाएगी। यह वह तारीख होगी, जिसको किसी व्यक्ति के तटरक्क वोत/आधिकारों के समझ रिपोर्ट करने के लिए बुलाया जाता है या वह तारीख होगी, जिसको वह सस्तुत: रिपोर्ट करता है या प्रशिक्षण के प्रारंभ होने की तारीख, इन में से जो भी प्रमात्रता हो। आधारिक तारीख का उपयोग सटरक्क में उसकी सेवा का अधिकारण करने के लिए किया जाएगा।

18. ज्येष्ठता :— (1) अस्थानावेशित व्यक्तियों की ज्येष्ठता का विनियम, संबंधित शाखाओं के लिए आधारिक प्रशिक्षण पाद्यक्रम के पूरा होने पर तैयार की गई गुणाग्रण मूलों के आधार पर विद्या जाएगा।

(2) एक शास्त्र में किसी विशिष्ट रैक में प्रोन्नत अस्थावेशि व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता, गुणागुणा के क्रम के अनुसार, जो विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा तैयार की जाएगी, अवधारित की जाएगी। किन्तु किसी विशिष्ट रैक में अस्थावेशित व्यक्तियों का पारस्परिक ज्येष्ठता उस रैक में प्रोन्नति की तारीख के अनुसार अवधारित की जाएगा। और यदि वह भी वही हो, तो वह पूर्ववर्ती रैक या रैकों में ज्येष्ठता के अनुसार अवधारित की जाएगी। यदि वह वही हो, तो जल्द की तारीख विनियोजन का आधार होगा और जो आयु में वहा होगा वही ज्येष्ठ होगा।

(3) सेना/नौसेना/वायु सेना से स्थानान्तरण पर अस्थावेशित व्यक्तियों की ज्येष्ठता, कटरक कम में स्थानान्तरण की तारीख से या संबंधित भर्ती नियमों के उपरान्तों के अनुसार इनमें से जो भी लागू हो, तियाँ का जाएंगी।

(4) पुनर्नियोजित अस्थावेशित व्यक्तियों की ज्येष्ठता उस रैक में पुनर्नियोजित की तारीख से अवधारित की जाएगी।

19. प्रोन्नति नियम.—(1) अस्थावेशित व्यक्ति प्राप्त और राफर में जिसके बीच हैं, हाने आने विकियों के विरुद्ध प्रोन्नति के लिए पात्र होंगे।

(2) अस्थावेशित व्यक्तियों की प्रोन्नति, संबंधित भर्ती नियमों में यथा अनुबंधित चयन/प्रयत्न पद्धति द्वारा की जाएगी।

20. प्रोन्नति के लिए घर्षणों:—प्रसंबंधित रैकों के लिए तटरक की विभिन्न प्राणीओं में प्रोन्नति के लिए अर्द्धताएँ उपचार 4 से 11 में दो गई हैं। इन अर्द्धताओं से संबंधित साधारण नियम निम्नलिखित हैः—

(1) सेवा—टटरक में संपूर्ण सेवा को, उस रैक में, उस समय की छोड़कर जिसके लिए ब्रेन अनुकूल नहीं किया गया है, जैसे कि कारोबार, निवेश, अधिकारियन, अधिकारियन, के लिए विचारण के लिए प्रतीक्षा, असाधारण छुट्टी के दौरान नष्ट किया गया या समय या यह समय जिसके दौरान कोई व्यक्ति किसी कारण से सेवा से बाहर रहा है, अर्द्धक सेवा के रूप में गणना में लिया जाएगा।

टिप्पणी:—(1) विकिसा प्रमाणपत्र पर दो गई या सिविल असाधारित के कारण पर ग्रहण के लिए व्यक्ति को असमर्थता के कारण या अव्ययन करने के प्रयोजन के लिए, जो लोक हित में प्रमाणित हो, असाधारण छुट्टी को अर्द्धक सेवा के रूप में गणना में लिया जाएगा।

(2) सेना/नौसेना/वायु सेना में कोई गई सेवा को भी जैसा कि भर्ती नियमों में उल्लिखित है उसके अनुसार गणना में लिया जाएगा। सामान्यतः एक शास्त्र से किसी अस्था शास्त्र में ग्रन्तरण नाविकों को, उस शास्त्र में, जिसमें वे अनंतरित किए जाते हैं, प्रोन्नति के प्रयोजनों के लिए उनकी पूर्ववर्ती शास्त्र के सेवा काल की गणना में नहीं लिया जाएगा किन्तु, निम्नलिखित अपवाद हो सकते, प्रथम्.—(i) जहां अंतरण सेवा की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया है, (ii) जहां अंतरण विकिस्तीय आधार पर किया गया है, (iii) जहां किसी व्यक्ति को अनुपयुक्त पाए जाने पर, शास्त्र के परिवर्तन के पश्चात् उसे मूल शास्त्र को प्रत्यावर्तित किया जाता है। (iv) जहां अंतरण उर्मी शास्त्र की विशेषताओं के बीच होता है, जैसे कि नाविक (सामान्य कर्तव्य); नाविक या भांडार महायक।

(2) बहुत अच्छा आधार:—विभिन्न रैकों में प्रोन्नति के लिए अत्यधिक बहुत अच्छे आधार की व्यूतम अधिक उपचार 4 से 11 में दो गई हैं।

(3) विभागीय परीक्षाएँ:—संबंधित रैकों और शास्त्रों के लिए उपचार 4 से 11 में जैसा अनुबंधित है उसके अनुसार, वृत्तिक परीक्षा या वृत्तिक परीक्षा में उत्तीर्ण होना, विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण माना जाएगा।

(4) समुद्र सेवा: समुद्र सेवा के प्रसंगत सुरक्षा उपचारन्तर में विनियोजित अवधि के लिए स्थायी कर्तव्य पर किसी तटरक के पात्र के काल पर किया गया कर्तव्य भाता है। प्रशासनिक सुविधा के लिए यह समुद्र सेवा सगातार सेवा महीं भी हो सकती है, और जब तक संपूर्ण अवधि अनुबंधित समुद्र सेवा गठित करती है, तब तक इसे अत्यावश्यक अपेक्षा पूरी करने वाली समझा जाएगा।

(5) तैराकी:—किसी व्यक्ति की, जिसने तैराकी परोक्षण उत्तीर्ण नहीं किया है, विभागीय प्रोन्नति ममिति द्वारा प्रोन्नति के लिए सिकारिश की जा सकती है और इस शर्त के अवधि प्रान्नति किया जा सकेगा कि वह इस परीक्षण को शीघ्रान्तीव उत्तीर्ण करेगा और उस वक्ता में उसे उन्होंने रैक में अपनी मूल ज्येष्ठता के अनुसार प्रोन्नति किया जाएगा। ऐसे अस्थावेशित व्यक्ति, जो आगामी विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक के पूर्व परीक्षण उत्तीर्ण नहीं करने हैं उनको मूल ज्येष्ठता सम्बहृत हो सकती है और उन्हें प्रोन्नति के लिए गात्र अन्य कार्यक्रमों के लाभ नए सिरे से विचार में लिया जा सकता है।

21. प्रोन्नति के लिए प्राधिकारी:—प्रोन्नति/पुष्टि/परिवीक्षण अवधि के बड़ोंने के लिए सिकारिश विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा की जाएगी। विभागीय प्रोन्नति समिति, इस संबंध में समय समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए भावेश के अनुसार अनुबंधित जनजातियों और अन्य विशेषज्ञ व्यक्तियों के प्रबोगों के लिए किए जाने वाले आरक्षण आयु सीमा शिथिकीरण और अन्य रियायतों पर विचार कर सकेगी। विभागीय प्रोन्नति समिति के लिए अधिकारियों का नाम निर्देशन, तटरक क मुख्यालय द्वारा यथा निर्देशित संश्लिष्ट प्रशासनिक प्राधिकारियों द्वारा लिया जाएगा। प्रोन्नति/पुष्टि/परिवीक्षण अवधि बड़ाए जाने वाले संसूचना, महानिदेशक द्वारा, विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों के अनुमोदन के पश्चात् वृत्तिक द्वारा की जाएगी।

22. नेतृत्व-पाल्यक्रम:—नेतृत्व-पाल्यक्रम में भर्ती होना, प्रधान नाविक से अविकारी और प्रधान नाविक से सहायक इंजीनियर में प्रोन्नति के लिए अत्यावश्यक है।

23. परिवीक्षा:—परिवीक्षा की अवधि, संबंधित भर्ती नियमों में जैसा अनुबंधित है उसके अनुसार होगी। जब तक ऐसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा के समाधानप्रब रूप में पूरा करने के बारे में कोई विनियोजित आदेश जारी नहीं किया जाता है, तब तक ऐसे परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा पर बना रहना मना जाएगा।

परिवीक्षा की अवधि, विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर नियुक्त प्राधिकारी द्वारा दो वर्ष की अवधि तक बढ़ाई जा सकती है। और वर्ष के परे परिवीक्षा का विस्तार सरकार के अनुमोदन से किया जाएगा। ऐसे अस्थावेशित व्यक्ति, जो परिवीक्षा अवधि को समाधानप्रब रूप में पूरा नहीं करते हैं, प्रपत्रे पूर्ववर्ती नंक में प्रत्यावर्तित या सेवाभूक्त किए जा सकते हैं।

24. अनुपयुक्तता के लिए प्रत्यावर्तन:—ऐसे उनम नाविक/उत्तम नाविक और उससे ऊपर, जो ज्ञान के अभाव में या असमर्थता के कारण उपने कर्तव्यों का पालन पर्याप्त रूप में करने में असमर्थ है या जिन्हें उच्चतम रैक के लिए अनुपयुक्त समझा जाता है, निम्नतम रैक में प्रत्यावर्तित किए जा सकते हैं।

25. प्रस्तावर्तन:—प्रस्तावर्तन वह नहीं है दो: इसे किसी अपराध के संबंध में कार्यवाई करने के साधन के रूप में यो उपयोग नहीं किया जा एगा किन्तु ऐसे अपराध या अपराधों का स्वरूप जिनके लिए कोई अस्थावेशित कार्यक्रम दिल दिया गया है, ऐसा है जो यह विवित कर्तव्य

कि ऐसा यक्षित ऊर्जा रैक के लिए जो बहुधारण किए हुए हैं वृत्तिम रूप से अनुपयुक्त है, उस दशा में नीचे की गई प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रत्यावर्तन पर विचार किया जा सकता है।

26. प्रत्यावर्तन की सीमाएँ :—कोई भी अभ्यावेशित व्यक्ति किसी एक समय प्रप्तने रैक में एक रैक से ग्राहिक अवनत मही किया जाएगा।

27. प्रत्यावर्तन के लिए प्राधिकार :—नभी मामलों में प्रत्यावर्तन का प्राधिकार, महानिदेशक में निहित होगा।

28. प्रक्रिया :—(1) सामान्य प्रक्रिया, जब कोई अभ्यावेशित व्यक्ति ज्ञान या योग्यता का अभाव दर्शात करता है या अनुपयुक्त प्रतीत होता है (अनुशासनिक कार्रवाई के अन्तर्गत आने वाले कारणों से मिल), यह है कि उसका उसके विभागाध्यक्ष द्वारा मानात्कार किया जाएगा। उसे, उसके कारणों को सूचित किया जाएगा और जहाँ प्रत्यावर्तन अनुप्यात है वहाँ, विचित्र रूप में उसे औपचारिक रूप से चेताना दे जाएगा कि यदि कोई सुप्राप्त नहीं होता है तो उसका मामला प्रत्यावर्तन के उद्देश्य से कमान अफसर को रिपोर्ट किया जाएगा।

(2) अहां सावित्र अपराध का स्वरूप ऐसा हो जो यह दर्शित करता है कि अभ्यावेशित व्यक्ति अपने रैक के लिए या तो वृत्तिक रूप से या अनुशासनिक कार्रवाई के अस्तित्व द्वारे वाले कारणों से मिल, कारणों से, अनुपयुक्त है, वहाँ उस मामले में उप नियम (1) में अधिकृतित प्रक्रिया का अनुसरण किए बिना, कमान अफसर द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

(3) कमान अफसर उन सभी मामलों का, जिसमें प्रत्यावर्तन का प्रयत्न है और औपचारिक रूप में अन्वेषण करेगा। अभ्यावेशित व्यक्ति को, यदि वह ऐसे इच्छा व्यक्त करता है तो उसे किसी अधिकारी की सहायता प्रप्तने मामले के प्रतिरक्षा के लिए अनुसारत किया जाएगा। यह ग्राहक नहीं है। ऐसा अधिकारी अभ्यावेशित व्यक्ति का छिपानी अफसर हो। कमान अफसर प्रशासनिक प्राधिकारी और बूदिक के भार-साक्ष अधिकारी का सलाहु के घासान महानिदेशक को प्रत्यावर्तन के लिए अवैषम्य करे, और अभ्यावेशित व्यक्ति को तदनस् सूचित किया जाएगा। अभ्यावेशित का सेवा गुस्तिका का ऐसे अधिकारियों के साथ होना आवश्यक है।

(4) प्रत्यावर्तन के लिए कोई अवैषम्य प्राप्त होने पर, प्रशासनिक प्राधिकारी यह निवेदा देगा कि अभ्यावेशित व्यक्ति विचारण की और प्रवधि के लिए उसी या किसी अन्य पोत में सेवा करेगा, यदि उसका विचार है कि यह अतिरिक्त सेवा, स्वयोरित है। उसके पश्चात् प्रशासनिक प्राधिकारा, अभ्यावेशित व्यक्ति को वृत्तिक सक्षमता का निर्धारण करने के लिए तीन अधिकारियों का एक झोड़ गठित करेगा, और कमान अफसर की सिफारियों के साथ अपनी सिफारियों, महानिदेशक को प्रस्तुत करेगा।

जहाँ, महानिदेशक द्वारा प्रत्यावर्तन का अनुमोदन हो जाता है, वहाँ विनियम की मूलना कमान अफसर द्वारा अभ्यावेशित व्यक्ति को की जाएगी; यहीं प्रत्यावर्तन के प्रवर्तन की तारीख होगी।

29. प्रत्यावर्तन के पश्चात् प्रान्तिति :—अभ्यावेशित व्यक्ति को उसके प्रत्यावर्तन के छह मास के पश्चात् उसके मूल रैक में पुनर्व्यापत के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति के समय प्रस्तुत किया जाएगा। कमान अफसर की सिफारियों के अधार पर विभागीय प्रोन्नति समिति, प्रोन्नति के लिए अभ्यावेशित व्यक्ति की उसकी मूल जेलस के माध्यार पर सिफारिश कर सकती। ऐसे सभी मामलों में, ऐसे, व्यक्ति कम से कम एक वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेगा। प्रत्यावर्तन के पूर्व उच्चतर रैक में की गई सेवा की अवधि रैक प्रतिव्यापित किए जाने के पश्चात् अगामी प्रोन्नति के लिए गणना में सी जाएगी।

30. महानिदेशक द्वारा प्रोन्नति.—महानिदेशक सीमित संख्या में प्रतिभासाकारी अभ्यावेशित कार्यिकों को, यद्यपि वे पूर्णतः अहित भी न हों, और जिनकी उच्चतर रैक के लिए योग्यता और उपयक्तता उनकी

जनकारी में लाई जाती है, प्रोन्नत कर सकता। ये प्रोन्नतियां, संभवा में सीमित होंगी जिससे कि विभागीय प्रोन्नति समिति के कार्यकरण में वाधा न हो। ऐसी प्रोन्नतियां सेवा गुस्तिका में विशेष संकेत द्वारा मुख्यमंत्री की जाएगी। सामान्यतः ऐसी प्रोन्नति जिसी व्यक्ति कर्ज पूर्ति में केवल एक बार ही की जा सकता है।

31. सेवा की अस्त्यावस्थकता, के कारण विभागीय परीक्षा में सार्वमनित होने में अभ्यावेशित कार्यिकों की असमर्पता :—यदि अभ्यावेशित कार्यिक सेवा की अस्त्यावस्थकताओं के कारण, विभागीय परीक्षा में सम्मिलित होने में समर्थ नहीं है तो विभागीय प्रोन्नति समिति अनन्तसम अध्यार पर ऐसे अभ्यावेशित कार्यिकों की प्रोन्नति की सिफारिश कर सकती, परन्तु यह तब जब वे अन्यथा पूर्ण पात्र हों और शोधतात्त्व अधिकारी पर उसी विभागीय परीक्षा में शहित कर लें। ऐसे अभ्यावेशित कार्यिक यदि वे विभागीय परीक्षा में शहित होने में असफल रहते हैं, तो उन्हें उनके पूर्ववर्ती रैक में प्रत्यावर्तित किया जा सकता है।

32. अधारिक पाठ्यक्रमों में असफलता :—सेवा में प्रवेश करने के पश्चात् प्राधारिक प्रशिक्षण या प्रतिरूपित लेखक प्रारंभता में अभ्यावेशित कार्यिकों की असफलताओं के भूमले बूदिक को विचारार्थ निर्देशित किए जाएं। जो परीक्षा में असफल रहते हैं उन्हें, बूदिक के विचारानुसार, उस विषय या उन विषयों में, जिनमें वे असफल रहे हैं, और प्रशिक्षण यित्य, जाएगा, और उनकी पुनः परीक्षा सी जाएगी। ऐसे अभ्यावेशित कार्यिक, जिन्हें बूदिक की राय में और प्रशिक्षण से कायदा नहीं होगा, तटरक्षक मुच्यालय के महानिदेशक के अनमोदन से "अनुपयुक्त" के रूप में सेवोन्युक्त किया जा सकता है। वे जो तूसरे भ्रायास में भी परीक्षा में असफल रहते हैं, तटरक्षक (साधारण) नियम, 1986 में ऐसा अनुपयुक्त है उसके अनुसार "अनुपयुक्त" के रूप में सेवोन्युक्त किए जा सकते हैं।

33. विभागीय परीक्षा में संस्करणों की संख्या :—उस रैक में रोका के लिए अनवर्तित समय के आधा पूरा होने पर, अभ्यावेशित कार्यिकों को वृत्तिक पाठ्यक्रम के लिए नामिनिर्देशित किया जा सकता है। तूसरामात्रा किसी व्यक्ति को वृत्तिक पाठ्यक्रम में शहित होने के लिए तीन प्रवधर दिये जा सकते हैं, और अपावधिक मामलों में, बीचा प्रवधर महानिदेशक के विचेकानुसार दिया जा सकता है।

ऐसे अभ्यावेशित व्यक्ति को, जो उच्चतर रैक के वृत्तिक/विशेषज्ञ अहिता पाठ्यक्रम में असफल रहता है, सामान्यतः उसी या किसी अन्य विषय अहिता पाठ्यक्रम के लिए तक महीं भेजा जाएगा, जब तक उस पाठ्यक्रम के, जिसमें वह असफल तूफान हो या जिससे उसे बापस ले लिया है, पूरा होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि समाप्त न हो गई हो।

34. रैक में अवनति के पश्चात् प्रोन्नति :—तटरक्षक न्यायालय के दण्डावेश द्वारा या संलेपतः रैक में अवनति अभ्यावेशित कार्यिक, महानिदेशक के विशेष प्राधिकार के विना जो प्रोन्नति के प्रत्येक स्तर के लिए अपेक्षित है, और जिसे तटरक्षक मार्ग जाएगा, परः प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। ऐसा आवेदन, सामान्यतया उपाध्यन 4 से 11 में जी गई बहुत अच्छी आवश्यक देश करके अभ्यावेशित कार्यिक के प्रोन्नति के लिए अर्हित होने के पश्चात् यही किया जा सकता।

35. विभागीय परीक्षा में सम्मिलित होने से इकार करना :—साधारणतया किसी भी अभ्यावेशित व्यक्ति को किसी वृत्तिक पाठ्यक्रम/विभागीय परीक्षा से, जिसके लिए वह तैनात किया गया है, इकार करने की अनुमता नहीं दी जाएगी। कमान अफसर यह सुनिश्चित करेंगे कि अभ्यावेशित कार्यिक उन पाठ्यक्रमों के लिए भेजे जाएं जिनके लिए उनका अवयन किया गया है।

36. प्रोन्नति के लिए इकार करना :—सामान्य परिविहितयों के अधीन, किसी भी अभ्यावेशित व्यक्ति को प्रोन्नति के लिए इकार करने

की घनुला नहीं थी जाएगी। किन्तु ऐसा इकार महानिरोक्षक के अनुमोदन में विशेष परिस्थितियों के अधीन अनुशासि किया जा सकता। यदि बाद में कोई व्यक्ति प्रोन्नति की बांधा करता है, तो उससे इराने कर्मान् अफसर को इस बारे में इच्छेत प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जा सकती है और उसके मामले पर विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा उसके गुणागुण के आधार पर प्रोन्नत व्यक्तियों के प्रागती बैच के साथ-साथ विचार किया जाएगा। ऐसा आवेदन, इकार करने के एक बर्चे के पश्चात् ही प्रस्तुत किया जा सकता।

37. स्वस्थता :-किसी भी अस्थावेशित व्यक्ति का, प्रोन्नति की नीतीकृत को, स्वस्थता प्रबंध एस 1 ए 1 या एस 2 ए 2 में होना आवश्यक है।

(2) ऐसे अस्थावेशित कामिकों के मामले, जो स्वस्थता प्रबंध एस 3 ए 1 एस 3 ए 2 और एस 3 ए 3 (अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से) में रखे गए हैं, बुधिक के भारताधार अधिकारी के माध्यम से महानिरोक्षक को भेजे जाएंगे और प्रत्येक मामले पर उसके गुणागुण के आधार पर विचार किया जाएगा। अस्थावेशित व्यक्ति की सेवा पुस्तिका और चिकित्सा बोहकार्यवाही ऐसी सभी सिफारिशों के साथ होनी चाहिए।

(3) स्वस्थता प्रबंध एस 4 ए 4 में रखे गए अस्थावेशित कामिकों पर उपनियम (1) और (2) में व्यक्तिगत प्रक्रिया के अनुसार प्रोन्नति

के लिए विचार किया जाएगा, जो उस पुनरीक्षित प्रबंध पर लिखर करेगा, जिसमें वे शक्तिप्राप्त से छुट्टी पर रखे गए हों।

38. गतत प्रोन्नति :-यदि यह पता भलता है कि कोई अस्थावेशित व्यक्ति गलती से प्रोन्नत किया गया है (उदाहरणार्थे जब प्रोन्नत किया गया, तब वह पूर्णतः अहित नहीं था), तो प्रोन्नति रह की जा सकती। गतत प्रोन्नति की व्यक्तियों के लिए किया गया ध्रुविक संवाय क्रमान् किया जाएगा।

39. रैकों और सेवा के प्रति निर्देश :-इन नियमों में नीतेना रैकों और सेवा के प्रति निर्देश में सेवा और बायु सेवा में समतुल्य रैक और सेवा आएगी।

40. गंकालों का नियाकरण :-यदि इन नियमों के किन्तु उपर्युक्तों के नियंत्रण के बारे में कोई गंका उत्पन्न होती है तो वह मामला सरकार या ऐसे अन्य प्राधिकारी की नियंत्रित किया जाएगा जो साधारण या विशेष शादेश द्वारा सरकार द्वारा विनियिष्ट किया जाए और सरकार या ऐसे अन्य प्राधिकारी का विनियोग अनिवार्य होगा।

[का. सं. एल. बब्ल्यू./0218]
के० थीनियासम, संयुक्त संविध

उपांक्ति --1

प्रोन्नति के लिए अहंताएं

सामान्य कर्तव्य शास्त्रा अधिकारी (विधि)

| क्रम सं. | अहंताएं | सहायक कमांडेंट से उप कमांडेंट | उप कमांडेंट से कमांडेंट | कमांडेंट से उप महानिरीक्षक | उप महानिरोक्षक में महानिरीक्षक | टिप्पणियां |
|-------------------|------------|----------------------------------|----------------------------|-------------------------------|---|------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. सेवा | 6 वर्ष | 2 वर्ष | 8 वर्ष | 6 वर्ष (1) | (1) भूतपूर्व रक्षा सेवा अधिकारियों के लिए 4 वर्ष | |
| 2. समृद्ध समयावधि | 2 वर्ष (2) | सागू नहीं होता | सागू नहीं होता | सागू नहीं होता | (2) आपवाहिक परिस्थितियों में महानिरोक्षक द्वारा समृद्धी समयावधि अभियोगत की जा सकती है | |
| 3. सौरक्षा | दो (3) | सागू नहीं होता | सागू नहीं होता | सागू नहीं होता | (3) आधारिक प्रणाली उत्तीर्ण करने के लिए अस्थावर्यक | |

उपांक्ति --2

प्रोन्नति के लिए अहंताएं

सामान्य कर्तव्य शास्त्रा अधिकारी

| क्रम सं. | अहंताएं | सहायक कमांडेंट से उप कमांडेंट | उप कमांडेंट से कमांडेंट | कमांडेंट से उप महा- निरीक्षक | उप महानिरीक्षक से महानिरीक्षक | टिप्पणियां |
|-------------------|------------|----------------------------------|----------------------------|---------------------------------|--|------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. सेवा | 6 वर्ष | 2 वर्ष | 8 वर्ष | 6 वर्ष (1) | (1) भूतपूर्व रक्षा सेवा अधिकारियों के मामले में चार वर्ष | |
| 2. समृद्ध समयावधि | 2 वर्ष (2) | 1 वर्ष (2) | 2 वर्ष (3) | 1 वर्ष (3) | (2) चार वर्ष से अधिक ज्येष्ठता वाले सहायक कमांडेंट के रैक में विताई गई समृद्धी समयावधि उप कमांडेंट से कमांडेंट में प्रोन्नति के लिए समृद्ध सेवा के लिए गणना में सी जाएगी | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
|--------------------------------|--------|----------------|----------------|----------------|----------------|---|
| 3. कमिल कमार्डेंट पाठ्यक्रम | हा | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | (3) महान्देशक द्वारा आपवादिक परिवर्तियों में समुद्र समयावधि का अधित्यजन किया जा सकता। |
| 4. सीरामी | हा (4) | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | (4) माध्यारिक प्रशिक्षण को उत्तीर्ण करने के लिए प्रस्तावयक |

उपायमध्य—3

प्रोन्नति के लिए अर्हताएं
तकनीकी अधिकारी (इंजीनियरी/विषयत)

| क्रम सं. | अर्हताएं | सहायक कमार्डेंट से उप कमार्डेंट से कमार्डेंट से उप महानिरीक्षक से उप महानिरीक्षक से टिप्पणियाँ | | | | |
|-------------------|----------|--|----------------|----------------|----------------|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. सेवा | 6 वर्ष | 2 वर्ष | 6 वर्ष | 6 वर्ष (1) | लागू नहीं होता | (1) भूतपूर्व रखा सेवा अधिकारी के मामले में चार वर्ष |
| 2. समुद्र समयावधि | 2 वर्ष | 1 वर्ष (2) | 1 वर्ष (3) | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | (2) चार वर्ष से अधिक लगेंडा वाले सहायक कमार्डेंट के रैक में बिताई गई समुद्र समयावधि उप कमार्डेंट से कमार्डेंट में प्रोन्नति के लिए समुद्र सेवा के लिए गणना में ली जाएगी। |
| 3. तैराकी | हा (4) | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | (3) महानिदेशक द्वारा आपवादिक परिवर्तियों में समुद्र समयावधि का अधित्यजन किया जा सकता। |
| | | | | | | (4) माध्यारिक प्रशिक्षण उत्तीर्ण करने के लिए प्रस्तावयक |

उपायमध्य—4

प्रोन्नति के लिए अर्हताएं
तौसीनिक/अधीनस्थ अधिकारी सामान्य कर्तव्य (नाविक)

| क्रम अर्हताएं | नाविक से उत्तम नाविक | उत्तम नाविक से प्रधान नाविक | प्रधान नाविक से अधिकारी | अधिकारी से उत्तम अधिकारी | उत्तम अधिकारी से प्रधान अधिकारी | टिप्पणियाँ | |
|-------------------------|---|-----------------------------|----------------------------------|--------------------------|---------------------------------|------------|-----|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1. अनुत्तम प्रश्नोत्तरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा अर्हता | 5 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समुद्र सेवा | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 1 वर्ष | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 4. वृत्तिक अर्हताएं | उत्तम नाविक पाठ्यक्रम | प्रधान नाविक पाठ्यक्रम | अधीनस्थ अधिकारी 'क्सू' पाठ्यक्रम | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान अधिकारी बोर्ड पाठ्यक्रम | — | — |
| 5. उप-विशेषज्ञ | जो समय-समय पर महानिदेशक द्वारा प्रख्यापित किया जाए। | | | | | | |

विमानन,
गोताखोरी
के प्रस्ताव-
शिल
अधिकारीयों
और रेडियो
प्रचालक को
लागू

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|----------------------|---|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-----|
| 6. तैराकी | अनन्तिम परीक्षण/ उसीर्ण मानक परीक्षण में उसीर्ण | लागू नहीं होता | — |
| 7. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हा | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |

उपायन्ध 4 से 11 के लिए टिप्पणि — (1) कार्मिक अनन्तिम आधार पर प्रोत्सङ्ग किए जा सकेंगे यदि वे सेवा की अत्यावश्यकताओं के कारण पाठ्यक्रमों के लिए तैयात नहीं किए जा सकते हैं।

(2) प्राप्तवादिक परिस्थितियों में महानिवेशक द्वारा समुद्र समयावधि अधित्याजित की जा सकेगी।

(3) पुरनियोजित कार्मिकों के मामले में “बहुत अच्छा प्राचरण” पुनर्नियोजित सेवा से अधिक नड़ी होता।

(4) स्कवाइन/प्लायर न्यैशन में सेवा अवधि का विवातन उपचिरेपत्राता के प्रभावित छाक्षितयों (सामान्य कर्तव्य और तकनीकी) के लिए समुद्र सेवा के रूप में विचार किया जाएगा।

प्रोत्संहिता के लिए प्रहृताएं—नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी/सामान्य कर्तव्य (प्रदाय महायक)

उपायन्ध—5

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----------------------|--|---------------------------|-------------------------------------|----------------------------|-------------------------|----------------|-----|
| 1. बहुत अच्छा प्राचरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा प्रहृताएं | 5 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समुद्र सेवा | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 4. वृत्तिक प्रहृताएं | उत्तम नाविक पाठ्यक्रम | प्रधान नाविक पाठ्यक्रम | अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान अधिकारी बोर्ड | — | — |
| 5. तैराकी | अनन्तिम परीक्षण उसीर्ण/मानक परीक्षण उसीर्ण | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 6. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हा | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |

प्रोत्संहिता के लिए प्रहृताएं—नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी/सामान्य कर्तव्य (मैकेनिक)

उपायन्ध—6

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----------------------|--|---------------------------|-------------------------------------|----------------------------|-------------------------|----------------|-----|
| 1. बहुत अच्छा प्राचरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा प्रहृताएं | 5 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समुद्र सेवा | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 1 वर्ष | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 4. वृत्तिक प्रहृताएं | उत्तम नाविक पाठ्यक्रम | प्रधान नाविक पाठ्यक्रम | अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान अधिकारी बोर्ड | — | — |
| 5. तैराकी | अनन्तिम परीक्षण उसीर्ण/मानक परीक्षण उसीर्ण | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 6. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हा | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |

प्रोत्संहिता के लिए प्रहृताएं—नौसैनिक/अधीनस्थ अधिकारी सामान्य कर्तव्य (छरेलू)

उपायन्ध—7

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----------------------|--------------------------|---------------------------|-------------------------------------|----------------------------|-----------------------------|----------------|-----|
| 1. बहुत अच्छा प्राचरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा प्रहृताएं | 5 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समुद्र सेवा | 6 मास | 6 मास | 6 मास | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 4. वृत्तिक प्रहृता | उत्तम नाविक पाठ्यक्रम | प्रधान नाविक पाठ्यक्रम | अधीनस्थ अधिकारी 'क्यू' पाठ्यक्रम | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान अधिकारी पाठ्यक्रम | — | — |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|----------------------|---|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-----|
| 5. सीराकी | अनंतिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण | लागू नहीं होता | — |
| 6. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हां | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |

उपाध्यक्ष—8

प्रोत्तिति नियम—भौतिक (तकनीकी) अधीनस्थ अधिकारी (समूह इंजीनियरी)

| क्रम में. | भौतिक | यांत्रिक से उत्तम यांत्रिक | उत्तम यांत्रिक से प्रशासन यांत्रिक | प्रशासन यांत्रिक से सहायक इंजीनियर | सहायक इंजीनियर से उत्तम सहायक | उत्तम सहायक इंजी- नियर से प्रशासन सहा- यक इंजीनियर | टिप्पणियाँ |
|-----------|-------|-------------------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|----------------------------------|--|------------|
|-----------|-------|-------------------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|----------------------------------|--|------------|

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----------------------|---|------------------------------|---------------------|----------------------------|--------------------------------|-----|-----|
| 1. बहुत अच्छा प्राचरण | 1 वर्ष | 2 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा अर्हता | 2 वर्ष | 2 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समूद्र सेवा | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 1 वर्ष | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 4. वृत्तिक अर्हता | अस्तर्वहम ईजन पहरे- दारी प्रमाणपत्र | यूनिट पहरेवारी प्रमाणपत्र | भारतसाधन प्रमाणपत्र | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान सहायक इंजीनियर बोर्ड | — | — |
| 5. सीराकी | अनंतिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 6. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हां | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |

उपाध्यक्ष—9

प्रोत्तिति नियम—नौसैनिक (तकनीकी/अधीनस्थ) तकनीकी (हल इंजीनियरी)

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----------------------|---|--|--|----------------------------|--------------------------------|-----|-----|
| 1. बहुत अच्छा प्राचरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा अर्हता | 2 वर्ष | 2 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समूद्र सेवा | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 1 वर्ष | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 4. वृत्तिक अर्हता | प्रधान अकास्माता सक्षमता प्रमाणपत्र | वृत्तिक परीक्षा प्रादेशिक मुख्यालय बोर्ड | पोत निर्माण प्रशिल्पी प्रशिक्षण विद्यालय में वृत्तिक परीक्षा | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान सहायक इंजीनियर बोर्ड | — | — |
| 5. सीराकी | अनंतिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 6. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हां | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |

उपाध्यक्ष—10

प्रोत्तिति नियम—नौसैनिक (तकनीकी) अधीनस्थ अधिकारी तकनीकी—(विद्युत)

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----------------------|---|--|---|----------------------------|--------------------------------|-----|-----|
| 1. बहुत अच्छा प्राचरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 2. सेवा अर्हता | 2 वर्ष | 2 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — | — |
| 3. समूद्र सेवा | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 1 वर्ष | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 4. वृत्तिक अर्हता | कामन अकास्माता सक्षमता का प्रमाणपत्र | वृत्तिक परीक्षा प्रादेशिक मुख्यालय बोर्ड | विद्युत विद्यालय में वृत्तिक परीक्षा | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान सहायक इंजीनियर बोर्ड | — | — |
| 5. सीराकी | अनंतिम परीक्षण उत्तीर्ण/मानक परीक्षण उत्तीर्ण | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |
| 6. नेतृत्व पाठ्यक्रम | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | हां | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | — |

प्रोत्संहिता नियम—नौसैनिक (तकनीकी) भर्धीनस्थ प्रविकारी (तकनीकी) वायुयान इंजीनियरी/वायुयान विशुल/वायुयान इंजीनियरिंग

| क्रम सं. | प्रदूषण | यात्रिक से उत्तम यात्रिक | उत्तम यात्रिक से प्रधान यात्रिक | प्रधान यात्रिक से सहायक इंजीनियर | सहायक इंजीनियर से उत्तम सहायक इंजीनियर | उत्तम सहायक इंजीनियर से प्रधान सहायक इंजीनियर | प्रधान सहायक इंजीनियर |
|----------|-------------------|--|---|--|--|---|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1. | बहुत प्रदूषण आचरण | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — |
| 2. | सेवा अद्वृता | 2 वर्ष | 2 वर्ष | 3 वर्ष | 4 वर्ष | 3 वर्ष | — |
| 3. | समुद्र सेवा | 1 वर्ष | 1 वर्ष | 1 वर्ष | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 4. | वृत्तिक महसूस | कमान अक्सर द्वारा समर्थन प्रमाणपत्र का दिया जाना | वृत्तिक परीक्षा (वूनिट प्रमाणपत्र का दिया जाना) | वृत्तिक परीक्षा (भारतीय प्रमाणपत्र का दिया जाना) | उत्तम अधिकारी पाठ्यक्रम | प्रधान सहायक इंजीनियरी बोर्ड | — |
| 5. | सैराकी | अनन्तिम परीक्षण उत्तीर्ण/मालक परीक्षण उत्तीर्ण | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |
| 6. | नेतृत्व | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — | लागू नहीं होता | लागू नहीं होता | — |

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th February, 1987

S.R.O. 6(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (b) and (c) of sub-section (2) of section 123 of the Coast Guard Act 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

PART I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coast Guard (Seniority and Promotion) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978);

(b) "BUVIK" means Officer-in-Charge of the Bureau of Naviks;

(c) "Coast Guard Region" means,—

(i) the Coast Guard Region, West, comprising of the coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the States of Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Kerala and the Union Territories of Goa, Daman and Diu and Lakshadweep;

(ii) the Coast Guard Region, East, comprising of the coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the States of Andhra Pradesh, Orissa, Tamil Nadu, West Bengal and the Union Territory of Pondicherry; and

(iii) the Coast Guard Region, Andaman and Nicobar Islands, comprising of coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands;

(d) "Government" means the Central Government.

(c) All words and expressions used but not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

PART II

SENIORITY AND PROMOTION RULES—OFFICERS

3. Basic date.—All officers on joining the Coast Guard Service shall be allocated a basic date. This date shall be the date on which an individual is called upon to report to the Coast Guard ship/authority or the date on which he actually reports or the date of commencement of training, whichever is later. The basic date shall be used for determining his service in the Coast Guard.

4. Seniority of officers.—(1) All officers holding a higher rank shall be senior to officers holding a lower rank.

(2) In a particular rank,—

(i) Inter-se seniority of officers promoted to a particular rank in a branch shall be determined in accordance with the order of merit which shall be prepared by the Departmental Promotion Committee. However, inter-se seniority of officers in a particular rank shall be determined in accordance with the date of substantive promotion to that rank and where two or more officers are promoted to a rank on the same day, their seniority shall be determined in accordance with their seniority in the previous rank. If that also happens to be the same then the basic date and ultimately the date of birth shall be the deciding factor, the elder being the senior.

(ii) Officers holding substantive rank shall be senior to officers holding acting rank. Similarly, officers holding acting rank shall be senior to officers holding officiating rank.

(iii) Seniority of officers appointed to any rank in an acting or officiating capacity shall be determined in accordance with the seniority in the substantive rank.

5. Seniority of permanently absorbed officers, re-employed officers and directly recruited officers.—(1)(a) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Deputy Inspector General shall be determined from the date of grant of substantive Captain's rank in the Indian Navy or from the date of grant of rank of Deputy Inspector General in the Coast Guard, whichever is earlier.

(b) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Commandant shall be determined from the date arrived at after taking into consideration full service in the rank of substantive Commander and 50 per cent of service in the rank of Lieutenant Commander in the Indian Navy subject to a maximum of 4 years or from the date of grant of Commandant's rank in the Coast Guard, whichever is earlier. Seniority of Lieutenant Commanders absorbed in the rank of Commandant shall be determined from the date of grant of Commandant rank as date dated by 50 per cent of their service in the rank of Lieutenant Commander in the Indian Navy subject to a maximum of 4 years.

(c) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Deputy Commandant shall be determined from the date of completion of five years commissioned service in the Indian Navy.

(d) Seniority of permanently absorbed officers in the rank of Assistant Commandant shall be determined from the date of commission in the Indian Navy.

(2) Seniority of re-employed officers shall be determined as follows:—

- (a) Deputy Inspector General.—Date of promotion to substantive rank of Captain in the Indian Navy.
- (b) Commandant.—Date of promotion to substantive rank of Commander in the Indian Navy.
- (c) Deputy Commandant.—Date of completion of 5 years commissioned service in the Indian Navy.
- (d) Assistant Commandant.—Date of commission in the Indian Navy.

Note.—In the event of there being an intervening period between the date of retirement from the Indian Navy and date of re-employment in the Coast Guard, this period will be deducted for the purpose of reckoning seniority in the substantive rank.

(3) Seniority of directly recruited officers and enrolled personnel promoted to the officer rank shall be determined on the basis of the marks obtained during initial training or departmental examination as prescribed by the Director-General as the case may be.

6. Authority for promotion.—The authority for promotion of all officers shall be the Central Government and Departmental Promotion Committee will be constituted as provided in the recruitment rules.

7. Promotion rules.—(1) Officers shall be eligible for promotion against the vacancies occurring in the respective branches to which they belong.

(2) The promotion of officers to the rank of Deputy Commandant shall be made on the basis of their seniority subject to fitness.

(3) The promotion of officer to the rank of Commandant and above shall be made on the basis of merit with due regard to seniority.

(4) The promotion of officers to the rank of Commandant and above shall be on acting basis. They will be confirmed from the date of their promotion on rendering satisfactory service for a period of one year in the higher rank. The service shall be assessed from the Annual Confidential Report rendered on the officers.

8. Officiating promotion.—The Director-General may, with the prior approval of the Government, grant an officiating higher rank to an officer subject to the following conditions:—

- (a) Where a short term vacancy is created due to leave, deputation, training, etc. and an officer approved for promotion by Departmental Promotion Committee is not available.
- (b) Officiating promotions shall be restricted upto the rank of Deputy Inspector General only.
- (c) Officiating rank under this rule shall initially be unpaid and shall become paid after twenty-one con-

sequitive days of duty in the appointment carrying the higher rank from the date of its grant.

- (d) An officer granted officiating rank shall not be entitled to claim any seniority in that rank.
- (e) An officer granted officiating rank shall cease to hold the rank when he ceases to hold the appointment for which the rank was granted.
- (f) Only such officers who have completed the minimum service required for the next rank shall be eligible for this promotion.
- (g) The promotion shall normally be made from the officers of the same ship/establishment station.

9. Local ranks.—The Director-General may grant an officer of the Coast Guard any local higher rank whenever considered necessary by him in the interest of better functioning of the service subject to the following conditions:—

- (a) The officer shall exercise the command and be vested with the powers of an officer holding that rank.
- (b) The officer shall not be entitled to any extra pay and allowances for holding such rank.
- (c) The officer shall not be entitled to claim any seniority over other officers of the Coast Guard by virtue of having held such rank.
- (d) The officer granted local rank shall cease to hold the rank when he ceases to hold the appointment for which the rank was granted.

10. Qualifications for promotion.—The qualifications for promotion in various branches of the Coast Guard for respective ranks are given in Annexures 1, 2 and 3. The general rules pertaining to these qualifications are:—

(1) Service.—The entire service in the Coast Guard in that rank shall reckon as qualifying service with the exemption of time for which pay is not allowed, such as, time lost during desertion, waiting trial for desertion, extraordinary leave or time during which a person has been out of service for any cause.

(2) Counting of previous service for promotion of Defence Services Officers:—

- (a) Permanently absorbed.—(i) In the case of Assistant Commandants who are ex-Naval Officers, their entire Commissioned service shall be counted for promotion to the rank of Deputy Commandant.
- (ii) In the case of Deputy Commandants who are ex-Naval officers, their entire commissioned service shall be counted for promotion to the rank of Commandant.
- (iii) In the case of Commandants, who are ex-Naval officers, previous service if any, in the rank of Commander in full and 50 per cent of previous service in the rank of Lieutenant Commander subject to a maximum of 4 years shall be counted for promotion to the rank of Deputy Inspector General.
- (iv) In the case of Deputy Inspector Generals, who are ex-Naval officers, previous service in the rank of Captain, Indian Navy shall be counted in full for promotion to the rank of Inspector General.
- (b) Re-employed.—In the case of re-employed officers their service from the date of re-employment shall be counted for promotion purposes.

Note.—Extraordinary leave granted on medical certificate or due to the inability of the individual to join duty on account of civil commotion or for the purpose of prosecuting studies certified to be in public interest shall be reckoned as qualifying service.

(3) Sea service.—Sea service shall consist of duties performed on a Coast Guard ship on permanent duty for the period specified in the relevant annexure. For administrative

convenience, this sea service may not be continuous and as long as the entire period constitutes the minimum stipulated sea service, it shall be deemed to have met the essential requirement.

(4) Swimming.—Passing the swimming test shall be an essential condition for qualifying in the basic training course. Officers who do not qualify in the swimming test on completion of this course may be liable for discharge from the service.

(5) Training and treatment of failures.—On entry officers of the respective branches will undergo successfully basic training, technical courses and specialisation as specified by Director-General from time to time. The consequences of failure shall be as follows :—

(i) Basic training.—Cases of failure in the examination shall be referred to Director-General for consideration. Those who fail in the examination may, at the discretion of the Director-General, be given further training in the subject or subjects in which they have failed and be re-examined. Such of these officers, who in the opinion of Director-General will not benefit by further training, shall be liable to be discharged from the service as unsuitable. Those who fail in the examination at the second attempt shall also be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(ii) Technical courses.—Officers failing in not more than 2 subjects in any one course but obtaining pass marks for that course shall be given further instructions and re-examined in the subject or subjects in which they have failed.

Officers failing to obtain pass marks for the course or failing in more than 2 subjects shall be required to do the whole course again.

Removal of probation of officers failing in technical courses shall be delayed to the extent of duration as shown below :—

| | |
|--|-------------|
| (a) Course of more than 4 weeks duration | — 2 months. |
| (b) Courses of 4 weeks or less duration | — 1 month. |

Officers passing on re-examination shall be given a 'Pass' class and awarded minimum passing marks for the course.

Those who fail in the examination at their second attempt shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(iii) Seamanship board (only for General Duty officers).—Assistant Commandants (General Duty) who fail to qualify in the Seamanship Board may be required to repeat this phase of training with the subsequent course. They may also be delayed in their removal from probation by six months. Those who fail at the second attempt shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(iv) Specialisation courses (only for Technical Officers with electrical/engineering specialisation).—Technical Officers with electrical/engineering specialisation who fail to qualify in the final examination of the specialisation course or courses shall be put back a term at the conclusion of which they shall be re-examined. The officers shall also be delayed in their removal from probation by 6 months. The officer failing twice in the final examination of these specialisation courses shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(v) Watch Keeping Certificate (for General Duty officers only).—Assistant Commandants (General Duty) who fail to obtain a Watchkeeping Certificate on completion of their initial training, will be required to continue this phase of training for a duration recommended by Commanding Officer/Board of Officers and re-examined. However, such duration is

not to exceed six months. Their removal from probation shall be delayed correspondingly. Those who fail to qualify in re-examination shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

(vi) Air crew conversion on type (General Duty, Pilot/Navigators only).—Assistant Commandants (General Duty) Pilot/Navigator who fails to complete Air crew conversion training on type, shall be liable to be discharged from service as unsuitable.

(vii) Award of Engine Room Watch Keeping Certificate/Certificate of Competency of Electrical Specialisation (Assistant Commandant Technical Engineering/Electrical).—Assistant Commandants (Technical) who fail to obtain Engine Room Watch Keeping Certificate/Certificate of Competency of Electrical specialisation during their afloat training shall be required to continue this phase of training for the duration recommended by the Commanding Officer/Board of Officers. However, such duration is not to exceed six months. Their removal from probation will be delayed correspondingly. Those who fail to qualify in re-examination shall be liable to be discharged from the service as unsuitable.

11. Refund of cost of training.—If an officer from any Branch in the Coast Guard requests to be withdrawn from any phase of the training or resigns during the probationary period and such request or resignation is accepted by the Government, he shall be required to refund the cost of training in whole or in part as may be determined by the Government and all money received by him as pay and allowances from the Government together with interest on the said amount calculated at the rate in force for Government loans.

12. Probation.—(1) On entering into service direct recruit officer shall be on probation for the period specified in the relevant recruitment rules or till such time as the officer completes his professional training, passes swimming test, qualifies for award of watch keeping certificate in the General Duty Branch award of wings in General Duty (Pilot/Navigator) branch awarded engine room watch keeping certificate/awarded certificate of competency of specialisation in the engineering and electrical specialisations respectively of the technical branch or such other courses as may be prescribed, by the Director-General, whichever is later.

(2) The period of probation may be extended beyond the period specified in the relevant recruitment rules by one year with the approval of the Central Government.

(3) As long as no specific orders of satisfactory completion of probation are issued to a probationer, such probationer shall be deemed to have continued on probation.

13. Refusing promotion.—Generally no officer shall be permitted to refuse promotion. However, such refusal may be permitted under special circumstances with the approval of the Government. If subsequently, the officer desires to be promoted, he may be required to submit an application to Director-General in this regard through his Commanding Officer, and his Administrative Authority and the case shall be considered on its merits by the Departmental Promotion Committee along with the next batch of promotees. Such an application can be submitted only after one year of the date of refusal.

14. Medical.—The officer must be in medical categories S₁A₁, S₂A₂, or S₂A₂ on the date of promotion. Cases of officers who are placed in medical categories S₁A₁, S₂A₂ and S₃A₂ temporarily or permanently shall be forwarded through Administrative Authority to Director-General and each case shall be considered on its merit. The Medical Board proceedings should accompany all such recommendations which must also contain the date from which the Departmental Promotion Committee approved the individual for promotion.

15. Officers of lower medical categories.—Officers placed in medical category S₄A₄ shall be considered for promotion in accordance with the procedure laid down in rule 14 depending upon the revised medical category in which they are placed on discharge from the hospital.

16. Erroneous promotion.—It is discovered that an officer has been promoted wrongly (for example he was not fully qualified when promoted) the promotion may be cancelled. Excess payments made for the period of erroneous promotion shall be recovered.

PART III

PROMOTION RULES—ENROLLED PERSONS

17. Basic date.—All personnel on joining the Coast Guard Service shall be allocated a basic date. This shall be the date on which an individual is called upon to report to the Coast Guard ship/authority or the date on which he actually reports or the date of commencement of training whichever is later. The basic date shall be used for determining his service in the Coast Guard.

18. Seniority.—(1) The seniority of Enrolled Persons shall be decided on the basis of the merit list drawn upon completion of basic training courses for their respective branches.

(2) Inter-se seniority of enrolled persons promoted to a particular rank in one branch shall be determined in accordance with the order of merit which shall be prepared by the Departmental Promotion Committee. However, inter-se seniority of enrolled persons in a particular rank shall be determined in accordance with the date of promotion to that rank and if that happens to be the same, then it shall be determined in accordance with the seniority in the previous rank or ranks. If that also happens to be the same, then the date of birth will be the deciding factor, the elder being the senior.

(3) The seniority of enrolled persons on transfer from the Army|Navy|Air Force shall be fixed with reference to date of transfer to Coast Guard or the provisions of the respective recruitment rules whichever is applicable.

(4) Seniority of enrolled persons re-employed shall be determined from the date of re-employment in the rank.

19. Promotion rules.—(1) Enrolled persons shall be eligible for promotion against the vacancies occurring in their respective cadre to which they belong.

(2) The promotion of enrolled persons shall be effected by selection/non-selection method as stipulated in the respective recruitment rules.

20. Qualifications for promotion.—The qualifications for promotion in various branches of the Coast Guard for respective ranks are given in Annexures 4 to 11. The general rules pertaining to these qualifications are :—

(1) Service.—The entire service in the Coast Guard in that rank shall reckon as qualifying service with the exception of time for which pay is not allowed, such as, time lost during imprisonment, detention, desertion, waiting trial for desertion, extraordinary leave or time during which a person has been out of service for any cause.

Note : 1. Extraordinary leave granted on medical certificate or due to the inability of the individual to join duty on account of civil commotion or for the purpose of prosecuting studies certified to be in public interest shall be reckoned as qualifying service.

2. Service rendered in the Army|Navy|Air Force shall also be counted as provided in the recruitment rules. Normally Naviks transferred from one branch to another will not be allowed to count time served in their previous branch for promotion purposes in the branch to which they are transferred, however, the following exceptions may be made, namely :—

(i) Where the transfer is effected to meet service requirements.

(ii) Where the transfer is effected on medical grounds.

(iii) Where an individual is reverted to his original branch after a change of branch, on being found unsuitable.

(iv) Where the transfer is between specialisations of the same branch, such as, Navik (General Duty) seaman or store assistant.

(2) Very Good Conduct.—The minimum period of Very Good Conduct necessary for promotion to various ranks is given in Annexures 4 to 11.

(3) Departmental examinations.—A pass in professional examination or professional and specialist examination as stipulated in Annexures 4 to 11 for the respective ranks and branches shall be treated as pass in departmental examination.

(4) Sea service.—Sea service shall consist of duties performed on board a coast Guard Ship on permanent duty for the period specified in the relevant annexure. For administrative convenience, this sea service may not be continuous and as long as the entire period constitutes the minimum stipulated sea service, it shall be deemed to have met the essential requirement.

(5) Swimming.—An individual who has not passed the swimming test may be recommended for promotion by the Departmental Promotion Committee and promoted subject to the condition that he passes the test at the earliest date in which case he shall be promoted as per his original seniority in that rank. Enrolled persons who do not pass the test before the meeting of the next Departmental Promotion Committee, are liable to forfeit their original seniority and be required to be considered afresh along with other personnel eligible for promotion.

21. Authority for promotion.—The recommendation for promotion/confirmation/extension of probationary period shall be made by the Departmental Promotion Committee. The Departmental Promotion Committee shall take into consideration the reservation, relaxation of age limit and other concession required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other specialist categories of persons in accordance with the order issued by the Government from time to time in this regard. Nomination of officers for Departmental Promotion Committee shall be by the respective Administrative Authorities as directed by the Coast Guard Headquarters. The Promotion/confirmation/extension of probationary period shall be intimated by the BUVIK after approval of the proceedings of the Departmental Promotion Committee by the Director-General.

22. Leadership course.—Qualifying in the leadership course is essential for promotion from Pradhan Navik to Adhikari and Pradhan Yantrik to Sahayak Engineer.

23. Probation.—The period of probation shall be as stipulated in the respective recruitment rules. As long as no specific orders of satisfactory completion of probation are issued to a probationer, such probationer shall be deemed to have continued on probation.

The period of probation can be extended by a period of two years by appointing authority on the recommendations of the Departmental Promotion Committee. Extension of probation beyond 4 years shall be made with the approval of Government. Enrolled persons who do not complete the period of probation satisfactorily are liable to be reverted to their former rank or discharged from service.

24. Reservation for unsuitability.—Uttam Navik|Uttam Yantrik and above who are unable to perform their duties adequately for want of knowledge or inability or who are considered to be unsuitable for the higher rank are liable to be reverted to a lower rank.

25. Reversion.—Reversion is not a punishment and shall never be used as a means of dealing with an offence but the character of an offence or offences for which an enrolled personnel has been punished may be such as to show that the individual professionally unsuitable for the rank he holds in which case consideration may be given to reversion under the procedure given below.

26. Limits of reversion.—No enrolled person shall be reduced in his rank more than one rank at a time.

27. Authority for reversion.—In all cases of reversion the Authority will be vested in the Director-General.

28. Procedure.—(1) The normal procedure when an enrolled person shows a want of knowledge or ability or appears unsuitable (other than for reasons coverable by disciplinary action) is that he shall be interviewed by his Head of Department. He shall be informed of his shortcomings and, where reversion is contemplated, he may be formally warned, in writing, that if no improvement occurs, his case will be reported to the Commanding Officer with a view to reversion.

(2) When the character of a proved offence is such as to show that the enrolled person is unsuitable for his rank, either professionally or for reasons other than those coverable by disciplinary action, the case shall be dealt with by the Commanding Officer without following the procedure laid down in sub-rule (1).

(3) The Commanding Officer shall formally investigate all cases where reversion is in question. The enrolled person shall be allowed to defend his case with the assistance, if he so wishes, of an officer who need not necessarily be the enrolled persons Divisional Officer. The Commanding Officer shall apply for reversion to the Director-General under advice to the Administrative Authority and the Officer-in-charge BUVIK and Enrolled Person is to be informed accordingly. The service book of the enrolled person must accompany such applications.

(4) The Administrative Authority on receiving an application for reversion may direct that the enrolled person is to serve for a further period of trial in the same or another ship, if he considers that this additional service is justified. The Administrative Authority is to thereafter constitute a board of 3 officers to assess the professional competence of the enrolled person and submit its recommendation along with recommendations of the Commanding Officer to Director-General.

(5) When reversion has been approved by the Director-General, the decision shall be communicated to the enrolled person by the Commanding Officer, this being the effective date of reversion.

29. Promotion after reversion.—An enrolled person may be placed before the Departmental Promotion Committee for reinstatement to his original rank six months after his reversion. Based on the recommendations of the Commanding Officer, the Departmental Promotion Committee may clear enrolled person for promotion based on his original seniority. In all such cases the individual shall be on probation for a minimum of one year. Time served in the higher rank before reversion shall count for further promotion after the rank has been restored.

30. Promotion by Director-General.—Director-General may promote a limited number of outstanding enrolled personnel even though not fully qualified, whose abilities and fitness for higher rank are brought to his notice. The promotions shall be limited in number so as not to interrupt the normal working of the Departmental Promotion Committee. Such promotions shall be distinguished by a special notation in the service book. This promotion may normally be restricted to once in an individual's career.

31. Inability of Enrolled Personnel to undergo Departmental examination due to exigency of service.—In the event of enrolled personnel not being able to undergo departmental examination due to exigencies of service, the Departmental Promotion Committee may recommend promotion of such enrolled personnel on provisional basis provided they are fully eligible otherwise and qualify such departmental examinations at the earliest opportunity. Such enrolled personnel may be liable for reversion to their former rank in case they fail to qualify in the departmental examination.

32. Failure in basic courses.—The cases of enrolled personnel failures in the basic training or professional specialist qualification courses on entry into service shall be referred to BUVIK for consideration. Those who fail in the examination may at the discretion of BUVIK be given further training in the subject or subjects in which they have failed and be re-examined. Such enrolled personnel who in the opinion of BUVIK will not benefit by further training

shall be liable to be discharged from service as 'unsuitable' with the approval of the Inspector General in the Coast Guard Headquarters. Those who fail in the examination at the second attempt, shall also be liable to be discharged from the service as 'unsuitable', as provided in the Coast Guard (General) Rules, 1986.

33. Number of chances in Departmental examination.—(1) On completion of half the time stipulated for service in that rank, enrolled personnel may be nominated for professional courses. Normally an individual may be given three chances to qualify in a professional course and in exceptional cases a fourth chance may be given at the discretion of the Director-General.

(2) An enrolled person who fails in higher rank professional specialist qualification course should not normally be sent to undergo the same or any other specialist qualifications course until a period of one year has elapsed since the date of completion of the course in which he failed or from which he has been withdrawn.

34. Promotion after reduction in rank.—Enrolled Personnel reduced in rank by sentence of Coast Guard Court or summarily shall not be repromoted without the special authority of the Director General which shall be required for each step of promotion and is to be sought accordingly. This application may normally be made only after the enrolled personnel have qualified for promotion by rendering Very Good Conduct Service given in Annexures 4 to 11.

35. Refusal to undergo Departmental examination.—Generally no enrolled person shall be allowed to refuse a professional course|departmental examination for which he has been detailed. Commanding Officers are to ensure that enrolled personnel are sent for the courses for which they are selected. Refusal to comply with instructions to undergo a course shall render an individual ineligible for consideration for all further courses|examinations for a period of one year.

36. Refusing promotion.—Under normal circumstances no enrolled person shall be permitted to refuse promotion. However, such refusal may be permitted under special circumstances with the approval of the Director-General. If subsequently, the individual desires to be promoted he may be required to submit an application in this regard to his Commanding Officer and his case shall be considered on its merits by the Departmental Promotion Committee along with the next batch of promotees. Such an application may be submitted only after a year of the refusal.

37. Medical.—(1) An enrolled person must be in the medical category S₁A₁ or S₂A₂ on the date of promotion.

(2) Cases of enrolled personnel who are placed in medical categories S₁A₁, A₃A₂ and S₃A₃ (temporarily or permanently) shall be forwarded to Director-General through Officer-in-Charge BUVIK and each case shall be considered on its merit. The service book of the enrolled person and the Medical Board proceeding should accompany all such recommendations.

(3) Enrolled personnel placed in medical category S₄A₄ shall be considered for promotion in accordance with the procedure laid down in sub-rules (1) and (2) depending upon the revised medical category in which they are placed on discharge from hospital.

38. Erroneous promotion. If it is discovered that an enrolled person has been promoted wrongly (for example he was not fully qualified when promoted) the promotion may be cancelled. Excess payment made for the periods of erroneous promotion shall be recovered.

39. Reference to rank and service.—In these rules a reference to Naval ranks and service shall cover equivalent ranks and service in the Army and the Air Force.

40. Removal of doubts.—If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of these rules, the matter shall be referred to the Government or such other authority as may be specified by the Government by general or special order and the decision of the Government of such other authority shall be final.

Annexure 1

Qualifications for Promotion
OFFICERS GENERAL DUTY BRANCH (LAW)

| Serial number | Qualifications | Assistant Commandant to Deputy Commandant | Deputy Commandant to Commandant | Commandant to Deputy Inspector General | Deputy Inspector General to Inspector General | Remarks |
|---------------|----------------|---|---------------------------------|--|---|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. | Service | 6 Years | 2 Years | 8 Years | 6 Years (1) | (1) 4 Years for ex-defence service officers, |
| 2. | Sea Time | 2 Years (2) | Not applicable | Not applicable | Not applicable | (2) Sea time may be waived by Director-General in exceptional circumstances. |
| 3. | Swimming | Yes (3) | Not applicable | Not applicable | Not applicable | (3) Essential for passing basic training. |

Annexure 2

Qualifications for Promotion
OFFICERS GENERAL DUTY BRANCH

| Serial number | Qualifications | Assistant Commandant to Deputy Commandant | Deputy Commandant to Commandant | Commandant to Deputy Inspector General | Deputy Inspector General to Inspector General | Remarks |
|---------------|----------------------------|---|---------------------------------|--|---|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. | Service | 6 Years | 2 Years | 8 Years | 6 Years (1) | (1) Four years in the case of ex-defence service officers. |
| 2. | Sea Time | 2 Years | 1 Year (2) | 2 Years (3) | 1 Year (3) | (2) Sea time done in the rank of Assistant Commandant with more than 4 years seniority will be counted towards sea time for promotion from Deputy Commandant to Commandant |
| 3. | Junior Commandant's Course | Yes | Not applicable | Not applicable | Not applicable | (3) Sea time may be waived in exceptional circumstances by Director-General. |
| 4. | Swimming | Yes (4) | Not applicable | Not applicable | Not applicable | (4) Essential for passing basic training. |

Annexure 3

Qualifications for Promotion
Officers Technical (Engineering/Electrical)

| Serial number | Qualifications | Assistant Commandant to Deputy Commandant | Deputy Commandant to Commandant | Commandant to Deputy Inspector General | Deputy Inspector General to Inspector General | Remarks |
|---------------|----------------|---|---------------------------------|--|---|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1. | Service | 6 Years | 2 Years | 8 Years | 6 Years (1) | (1) 4 years in case of ex-defence service officer. |
| 2. | Sea Time | 2 Years | 1 Year (2) | 1 Year (3) | Not applicable | (2) Sea time done in the rank of Assistant Commandant with more than four years seniority will be counted towards sea time for promotion from Deputy Commandant to Commandant. |
| 3. | Swimming | Yes (4) | Not applicable | Not applicable | Not applicable | (3) Sea time may be waived in exceptional circumstances by Director-General. (4) Essential for passing basic training. |

Annexure-4

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS
GENERAL DUTY (SEAMAN)**

| Serial number | Qualifications | Navik to Uttam Navik | Uttam Navik to Pradhan Navik | Pradhan Navik to Adhikari | Adhikari to Uttam Adhikari | Uttam Adhikari to Pradhan Adhikari | Remarks |
|---------------|-------------------------------|---|------------------------------|--------------------------------|----------------------------|--|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1. | Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — |
| 2. | Service Qualification | 5 Years | 4 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — |
| 3. | Sea Service | 1 Year | 1 Years | 1 Year | Not applicable | Not applicable | — |
| 4. | Professional Qualifications | Uttam Navik Course | Pradhan Navik Course | Subordinate Officer 'Q' Course | Uttam Adhikari Course | Pradhan Adhikari Board | — |
| 5. | Sub-Specialist Qualifications | As promulgated by the Director-General from time to time. | | | | Applicable to Enrolled Persons of Aviation, Diving and Radio Operator. | |
| 6. | Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 7. | Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | — |

NOTE FOR ANNEXURE 4 TO 11

- Personnel may be promoted on provisional basis if they cannot be detailed for courses due to exigencies of service.
- Sea time may be waived by Director-General in exceptional circumstances.
- 'Very Good' conduct in case of re-employed personnel shall not be more than the re-employed service.
- Tenure in squadron/Air Station will be considered as sea service for Enrolled persons (General Duty and Technical) of Aviation sub-specialization.

Annexure-5

QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS/GENERAL DUTY (SUPPLY ASSISTANT)

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-----|-----------------------------|--|----------------------|---------------------------------|-----------------------|------------------------|-----|
| 1. | Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — |
| 2. | Service Qualifications | 5 Years | 4 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — |
| 3. | Sea Service | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 4. | Professional Qualifications | Uttam Navik Course | Pradhan Navik Course | Subordinate Officers 'Q' Course | Uttam Adhikari Course | Pradhan Adhikari Board | — |
| 5. | Swimming | Passed Provisional Test/Pasced Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 6. | Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | — |

Annexure-6

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS/GENERAL DUTY
(MECHANICAL)**

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|--------------------------------|--|----------------------|---------------------------------|-----------------------|------------------------|-----|-----|
| 1. Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | — |
| 2. Service Qualifications | 5 Years | 4 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | — |
| 3. Sea Service | 1 Year | 1 Year | 1 Year | Not applicable | Not applicable | — | — |
| 4. Professional Qualifications | Uttam Navik Course | Pradhan Navik Course | Subordinate Officers 'Q' Course | Uttam Adhikari Course | Pradhan Adhikari Board | — | — |
| 5. Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — | — |
| 6. Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | — | — |

Annexure- 7

**QUALIFICATIONS FOR PROMOTION—SAILORS/SUBORDINATE OFFICERS GENERAL DUTY
(DOMESTIC)**

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|--------------------------------|--|----------------------|---------------------------------|-----------------------|------------------------|-----|-----|
| 1. Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | — |
| 2. Service Qualifications | 5 Years | 4 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | — |
| 3. Sea Service | 6 months | 6 months | 6 months | Not applicable | Not applicable | — | — |
| 4. Professional Qualifications | Uttam Navik Course | Pradhan Navik Course | Subordinate Officers 'Q' Course | Uttam Adhikari Course | Pradhan Adhikari Board | — | — |
| 5. Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — | — |
| 6. Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | — | — |

Annexure-8

PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL) SUBORDINATE OFFICERS (MARINE ENGINEERING)

| Serial number | Qualifications | Yantrik to Uttam Yantrik | Uttam Yantrik to Pradhan Yantrik | Pradhan Yantrik to Sahayak Engineer | Sahayak Engineer to Uttam Sahayak | Uttam Sahayak to Pradhan Sahayak | Remarks |
|--------------------------|----------------|--------------------------|----------------------------------|-------------------------------------|-----------------------------------|----------------------------------|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1. Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | — |
| 2. Service Qualification | 2 Years | 2 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | — |
| 3. Sea Service | 1 Year | 1 Year | 1 Year | Not applicable | Not applicable | — | — |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-------------------------------|--|--------------------------------|--------------------|-----------------------|--------------------------------|----------------|-----|
| 4. Professional Qualification | Internal Combustion Engine Watch Keeping Certificate | Unit Watch Keeping Certificate | Charge Certificate | Uttam Adhikari Course | Pradhan Sahayak Engineer Board | | |
| 5. Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 6. Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |

Annexure-9

PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL)/SUBORDINATE OFFICERS (TECHNICAL) (HULL ENGINEERING)

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-------------------------------|---|--|---|-----------------------|--------------------------------|----------------|-----|
| 1. Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | |
| 2. Service Qualification | 2 Years | 2 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | |
| 3. Sea Service | 1 Year | 1 Year | 1 Year | Not applicable | Not applicable | — | |
| 4. Professional Qualification | Certificate of Competency by Commanding Officer | Professional Examination Regional Headquarters Board | Professional Examination in Ship Wright Artificer Training School | Uttam Adhikari Course | Pradhan Sahayak Engineer Board | — | |
| 5. Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 6. Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |

Annexure-10

PROMOTION RULES—SAILORS(TECHNICAL)/SUBORDINATE OFFICERS TECHNICAL (ELECTRICAL)

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
|-------------------------------|---|--|---|-----------------------|--------------------------------|----------------|-----|
| 1. Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | |
| 2. Service Qualification | 2 Years | 2 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — | |
| 3. Sea Service | 1 Year | 1 Year | 1 Year | Not applicable | Not applicable | — | |
| 4. Professional Qualification | Certificate of Competency by Commanding Officer | Professional Examination Regional Headquarters | Professional Examination in Electrical School | Uttam Adhikari Course | Pradhan Sahayak Engineer Board | — | |
| 5. Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 6. Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |

Annexure-11

**PROMOTION RULES—SAILORS (TECHNICAL)/SUBORDINATE OFFICERS (TECHNICAL)
(AIR ENGINEERING/AIR ELECTRICAL/AIR ELECTRONICS)**

| Serial number | Qualifications | Yantrik to Uttam Yantrik | Uttam Yantrik to Pradhan Yantrik | Pradhan Yantrik to Sahayak Engineer | Sahayak Engineer to Uttam Sahayak | Uttam Sahayak Engineer to Pradhan Sahayak | Remarks |
|---------------|----------------------------|--|--|--|-----------------------------------|---|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1. | Very Good Conduct | 1 Year | 1 Year | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — |
| 2. | Service Qualification | 2 Years | 2 Years | 3 Years | 4 Years | 3 Years | — |
| 3. | Sea Service | 1 Year | 1 Year | 1 Year | Not applicable | Not applicable | — |
| 4. | Professional Qualification | Competency Certificate by Commanding Officer | Professional Examination (Award of Unit Certificate) | Professional Examination (Award of Change Certificate) | Uttam Adhikari Course | Pradhan Sahayak Engineer Board | — |
| 5. | Swimming | Passed Provisional Test/Passed Standard Test | Not applicable | Not applicable | Not applicable | Not applicable | — |
| 6. | Leadership Course | Not applicable | Not applicable | Yes | Not applicable | Not applicable | — |